एम.ई.सी

एम.ए.
(अर्थशास्त्र)

सत्रीय कार्य (2022-23)
प्रथम वर्ष
(जुलाई 2022 और जनवरी 2023 सत्र हेतु)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली -110 068

एम.ए. (अर्थशास्त्र)
सत्रीय कार्य (2022-23)

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30% है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40% अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रथम वर्ष में पाँच अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। **ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।**

1) **जुलाई 2022 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2023 है।**

2) **जनवरी 2023 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2023 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।
2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।
   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :
   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हो;
   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और
   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।
3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम उत्तर साफ-साफ लिखें। जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

एम.ई.सी.–001/101 : व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.-001/101
सत्रीय कार्य कोडः एम.ई.सी-001/101/एएसटी/टीएमए/2022-23
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

भाग 'I'

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। **2×20 = 40**

1. (क) एक विशुद्ध विनिमय अर्थव्यवस्था में दो व्यक्ति (A और B) तथा दो ही वस्तुएँ (X और Y) हैं। प्रारंभ में व्यक्ति A के पास वस्तु X की 5 इकाइयाँ तथा वस्तु Y की 3 इकाइयाँ हैं, जबकि व्यक्ति B के पास वस्तु X और Y की क्रमशः 3 और 4 इकाइयाँ हैं। मान लीजिए कि व्यक्ति A और B के उपयोगिता फलन $U_A=X_A\ Y_A^2$ तथा $U_B=X_B^2\ Y_B$ हैं, जहाँ X_i और Y_i क्रमशः i= {A, B} द्वारा व्यक्ति A और B के X और Y के उपभोग (i) दर्शाए गए हैं। इस अर्थव्यवस्था में पैरेटो अभीष्ट आबंटन का समूह क्या होगा?

   (ख) उन शर्तों का निर्धारण कीजिए जिनके अधीन किसी आबंटन को पैरेटो अभीष्ट कहा जा सकता है।

2. निम्नलिखित कॉब-डग्लस उपयोगिता फलन पर विचार कीजिए :

$$U(X, Y)= X^{\alpha}\ Y^{(1-\alpha)}$$

जहाँ X तथा Y दो वस्तुएँ हैं जिनकी प्रति इकाई कीमतें क्रमशः P_x और P_y पर उपभोक्ता उपभोग करता है। उपभोक्ता की आय रु. M दिये जाने पर निर्धारित कीजिए :

क) वस्तुओं X और Y के मार्शलीय माँग फलन।

ख) उपभोक्ता का अप्रत्यक्ष उपयोगिता फलन।

ग) $\alpha = 1/2$, P_x = रु. 2, P_y= रु. 8 तथा M= रु.4000 दिये होने पर उपभोक्ता को प्राप्त अधिकतम उपयोगिता।

घ) रॉय की सर्वसमिका (identity) की व्युत्पत्ति कीजिए।

भाग 'II'

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है। **5×12 = 60**

3. (क) अतिरिक्त क्षमता क्या है और यह किस प्रकार से एकाधिकारी स्पर्धा प्रतिमान से संबंधित रहती है?

(ख) मांग और आपूर्ति फलन क्रमशः $P=25-X^2$ तथा $P=2X+1$ हैं, उपभोक्ता तथा उत्पादक के अतिरेक आंकलित कीजिए।

4. (क) संपूर्ण एवं अपूर्ण सूचना द्यूतों की परिभाषा लिखिये।

(ख) इस प्रतिप्राप्ति आव्यूह पर विचार कीजिए : ऋणात्मक संख्याएँ दो व्यक्तियों A और B के संभावी कारावास में है।

i) दोनों के लिए अभीष्ट युक्तियाँ निर्धारित कीजिए।

ii) क्या A तथा B व्यक्ति के समक्ष बंदी की दुविधा उपस्थित है?

	व्यक्ति B		
व्यक्ति A		स्वीकारोक्ति	स्वीकारोक्ति नहीं
	स्वीकारोक्ति	(-5, -5)	(-1, -10)
	स्वीकारोक्ति नहीं	(-10, -1)	(-2, -2)

5. क) अल्पाधिकार के कूर्नो (cournot) और बर्टैंड (Bertrand) मॉडल के बीच अंतर बताइये।

ख) दो फर्मों 1 और 2 वाले एक उद्योग पर विचार कीजिए जो क्रमशः Q_1 तथा Q_2 उत्पादन करते हैं तथा इस उद्योग की माँग $P=140-Q$ है, जहां P बाज़ार कीमत तथा Q कुल उत्पादन अर्थात् $Q= Q_1 + Q_2$ है। मान लें कि प्रत्येक फर्म की सीमांत लागत रु.20 प्रति इकाई है तथा कोई स्थिर लागत नहीं है। ऐसी स्थिति में उद्योग के लिए कूर्नो संतुलन का निर्धारण कीजिए।

6. क) किसी व्यक्ति के दिये गये वॉन न्यूमैन-मौरगेस्टर्न उपयोगिता फलन $U(W) = W^{1/2}$, जहाँ W मुद्रा की मात्रा बताता है, के संबंध में रेखाचित्र की सहायता से ऐसे व्यक्ति के जोखिम पर दृष्टिकोण के विषय में टिप्पणी कीजिए।

ख) अब माना कि इस व्यक्ति के पास रु.1600 के मूल्य के बराबर कारखाना भवन है। यदि इस भवन में आग लग जाती है तो इसकी कीमत गिरकर रु.400 रह जाती है। इस भवन में आग लगने की संभावना ¼ है। इस दी हुई सूचना के आधार पर यह बताइए कि क्या यह व्यक्ति कारखाना भवन से संबंधित जोखिम से बचने के लिए बीमा कंपनी को रु.76 की जोखिम प्रीमियम का भुगतान करने के लिए तैयार होगा?

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

क) नैतिक खतरे

ख) सजातीय एवं समस्थित उत्पादन फलन

ग) जोखिम विरति का ऐरो-प्रैट मापक

घ) बर्गसन सैम्युअल्सन सामाजिक कल्याण फलन

एमईसी–002: समष्टिगत आर्थिक विश्लेषण
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–002
सत्रीय कार्य कोड :एमईसी–002/2022–23
अधिकतम अंक: 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग–क में दिए गए प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (लगभग 700 शब्दों के उत्तर दें)। भाग–ख में दिए गए प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों के हैं (लगभग 400 शब्दों में उत्तर दें)। आंकिक प्रश्नों की स्थिति में शब्द सीमा लागू नहीं है।

भाग क

1. सोलो मॉडल में स्थितावस्था (steady state) संवृद्धि की सकल्पना को उपयुक्त रेखाचित्र से स्पष्ट कीजिए। दर्शाइए कि फेल्पस् का स्वर्णिम नियम, स्थितावस्था नहीं है।

2. अनुकूली प्रत्याशाओं और यौक्तिक प्रत्याशाओं के अंतर को स्पष्ट कीजिए। अपने विश्लेषण में जब हम प्रत्याशाओं की प्रस्तुति करते हैं तो फिलिप्स वक्र बदल क्यों जाता है? स्पष्ट कीजिए।

भाग ख

1. नीति, नियम, स्वनिर्णयगत (discretionary) नीतियों से बेहतर होते है। इस कथन की पुष्टि, नवक्लासिकी समष्टि अर्थशास्त्र को ध्यान में रखते हुए कीजिए।
2. राजनीतिक व्यवसाय चक्र सिद्धांत की मुख्य विशेषताओं को संक्षेप में वर्णन कीजिए।
3. मजदूरी और कीमतों में अनम्यता के लिए कौन से कारक उत्तरदायी होते हैं? प्रकाश डालिए।
4. नियत विनिमय दर वाली अर्थव्यवस्था, स्वंत्रत मौद्रिक नीति का अनुसरण क्यों नहीं कर सकती है? उपयुक्त रेखाचित्रों से स्पष्ट कीजिए।
5. संक्षेप में नोट लिखिए :

   क. अतंर कालिक उपयोगिता अधिकतमीकरण

   ख. वास्तविक व्यवसाय चक्र सिद्धांत

एम.ई.सी. -003:आर्थिक विश्लेषण के लिए परिमाणात्मक विधियाँ

(शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य)

(जनवरी 2017 या इससे पूर्व सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी.-003
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी-003/टीएमए/2022-23
कुलअंक: 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

भाग–क में दिए गए प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (लगभग 700 शब्दों के उत्तर दें)। भाग–ख में दिए गए प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों के हैं (लगभग 400 शब्दों में उत्तर दें)। संख्यात्मक / गणितीय समीकरण से संबंधित प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होगी।

भाग (क)

1. 'अर्थशास्त्र में अवकलज का व्यापक अनुप्रयोग है'– इस कथन के आलोक में अवकलज के माध्यम से निम्नलिखित की व्याख्या करें :

(4X5= 20)

(i) औसत आय और सीमांत आय
(ii) औसत लागत और सीमांत लागत
(iii) मांग की लोच
(iv) स्थिर लोच मांग वक्र

2. (i) यदि एक बिंदु पर दूसरा अवकलज शून्य है, तो फलन में अधिकतम, न्यूनतम या विवर्तन बिंदु हो सकता है। इस कथन के प्रकाश में अधिकतम, न्यूनतम तथा विवर्तन बिन्दु (नति परिवर्तन बिंदु) की व्याख्या कीजिए। **(15)**

(ii) निम्नलिखित फलनों के लिए विवर्तन बिन्दु (नति परिवर्तन बिंदु) ज्ञात कीजिए । **(5)**

(अ) $f(x) = 3x^3 + 4$

(ब) $f(x) = x^3 + x^2 + x + 1$

भाग(ख)

3. निश्चित समाकलन के किन्हीं दो आर्थिक अनुप्रयोगों की व्याख्या कीजिए। अनुप्रयोगों को स्पष्ट करने के लिए उदाहरणों का उपयोग करें। **(6 + 6 = 12)**

4. पूर्ण प्रतियोगिता में एक फर्म दो उत्पाद बनाती है। पहले उत्पाद की मात्रा q_1है और दूसरे उत्पाद की मात्रा q_2है। दोनों वस्तुओं की कीमतों को बहिर्जात माना जाना चाहिए। पहले उत्पाद की कीमत $p_1 = 5$ और दूसरे उत्पाद की कीमत $p_2 = 3$ दी गई है।फर्म का लागत फलन $C = 2q_1^2 + 2q_2^2 + q_1q_2$माना जाता है। निम्नलिखित ज्ञात कीजिए। **(6 X 2 = 12)**

   i. फर्म का आगम फलन
   ii. पहले उत्पाद के लिए फर्म का सीमांत लागत फलन
   iii. दूसरे उत्पाद के लिए फर्म का सीमांत लागत फलन
   iv. फर्म का लाभ फलन
   v. q_1और q_2का मूल्य जो फर्म के लाभ को अधिकतम करता है।
   vi. हेस्सियन आव्यूह का मूल्य

5. (i) आंशिक अवकलज क्या है? $f(x_1, x_2) = 4x_1 + 5x_1x_2 + 2x_2$का आंशिक अवकलज ज्ञात कीजिए।

(ii)प्रति आंशिक अवकलज क्या है? $f(x_1, x_2) = 4x_1^3 + x_2^4 + 3x_1^3x_2^4 + 5x_1x_2$का प्रति आंशिक अवकलज ज्ञात कीजिए।

(iii) पूर्ण अवकल क्या है? $f(x_1, x_2) = 10x_1 + x_2^4 + 2bx_1x_2 + 5x_2$का पूर्ण अवकल ज्ञात कीजिए।

(3x4=12)

6. निबाधित इष्टतमीकरण से आप क्या समझते हैं ? मान लीजिए कि उपयोगिता फलन $U(X, Y) = X^2 + Y$ है। वस्तु X की कीमत $P_x = 2$ है और वस्तु Y की कीमत $P_y = 1$ है। आय $M = 200$ है। X और Y की संतुलन मात्रा ज्ञात कीजिए यदि निबाध $M = P_xX + P_yY$ दिया हुआ है।
   (5+7=12)

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: **(3 X 4 = 12)**
   (i) बीजगणितीय फलन और गैर-बीजीय फलन
   (ii) दाएँ हाथ की सीमा और बाएँ हाथ की सीमा
   (iii) प्रायिकता वितरण फलन

एम.ई.सी. -103:परिमाणात्मक विधियाँ

(शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी.-103
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी-103/टीएमए/2022-23
कुलअंक: 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

भाग–क में दिए गए प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (लगभग 700 शब्दों के उत्तर दें)। भाग–ख में दिए गए प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों के हैं (लगभग 400 शब्दों में उत्तर दें)। संख्यात्मक / गणितीय समीकरण से संबंधित प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होगी।

भाग (क)

1. (i) आर्थिक संबंधों के विश्लेषण के लिए अक्सर बड़ी संख्या में परस्पर संबंधित चरों को मॉडल में शामिल करने की आवश्यकता होती है। रैखिक बीजगणित व्यूह और सारणिकों की सहायता से युगपत समीकरणों को हल करने के उपकरण प्रदान करता है, जो उनकी संक्षिप्त प्रस्तुति और समाधान तंत्र के लिए होता है। व्यूह और सारणिकों की अवधारणा की व्याख्या करें। (12)

   (ii) सारणिकों के गुणों की चर्चा कीजिए। अपनी प्रतिक्रिया को विस्तृत करने के लिए उदाहरणों का प्रयोग करें। (8)

2. हम सामान्य वितरण (प्रसामान्य बंटन) की सहायता से कुछ मूलभूत वितरण प्राप्त कर सकते हैं। इन मूलभूत वितरणों को सूचीबद्ध करें और उनमें से प्रत्येक को विस्तार से समझाएं। (20)

भाग(ख)

3. सरल प्रतिगमन (समाश्रयण) विश्लेषण के तहत आकलन के विभिन्न तरीके हैं। उनमें से एक आकलन की साधारण न्यूनतम वर्ग (OLS) विधि है। इस विधि को विस्तार से समझाइए। (12)

4. एक अच्छे अनुमानक को कुछ मानदंडों को पूरा करना चाहिए। इन मानदंडों पर विस्तार से चर्चा करें। (12)

5. (i) द्विपद बंटन के गुणों को सूचीबद्ध कीजिये। एक निष्पक्ष सिक्के को 13 बार उछलने पर 8 चित और 5 पट आने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए। (4)

   (ii) एक स्टील फैक्ट्री में, उत्पादित स्टील शीट के प्रति 10 वर्ग फुट में औसतन 6 दोष होते हैं। यदि हम एक पॉइज़न वितरण मान लें, तो इसकी क्या प्रायिकता है कि 18 वर्ग फुट की स्टील शीट में कम से कम 7 दोष होंगे? (4)

(iii) औसत ऊंचाई 63.5" और मानक विचलन 3.5, के साथ 10,000 पुरुषों के समूह का ऊंचाई वितरण सामान्य है।उन पुरुषों की संख्या ज्ञात कीजिए जिनकी ऊंचाई (अ) 54.5" से कम है और (ब) 74.5" से अधिक है। (4)

6. अनिश्चित समाकलन की अवधारणा को उदाहरणों की सहायता से समझाइए।अनिश्चित समाकलन के किन्हीं दो आर्थिक अनुप्रयोगों की चर्चा कीजिए। (6+6= 12)

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (3X4= 12)
   (i) न्यादर्श के प्रकार
   (ii) क्रांतिक मान
   (iii) प्रायिकता घनत्व फलन
   (iv) क्रेमर का नियम

एमईसी–004 : संवृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–004
सत्रीय कार्य कोड : एमईसी–004/टीएमए/2022–23
अधिकतम अंक: 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग–क में दिए गए प्रत्येक प्रश्न के 20 अंकों के हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 700 शब्दों दें)। भाग–ख में दिए गए प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों के हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दें)।

भाग क

1. आर्थिक वृद्धि में हैरड–डोमार मॉडल के बुनियादी सुत्रीकरणों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। हैरड मॉडल किस प्रकार व्यापार–चक्र की उत्पत्ति की व्याख्या करता है?

2. जोन रॉबिन्सन मॉडल में स्वर्णिम युग संतुलन की संकल्पना की चर्चा कीजिए। इसकी मुख्य आलोचनाएँ क्या हैं?

भाग ख

3. आर्थिक संवृद्धि तथा आर्थिक विकास में अतर कीजिए। आर्थिक संवृद्धि से क्या लाभ समाज को प्राप्त होता है?

4. वैश्वीकरण की संकल्पना एवं निहितार्थों को स्पष्ट कीजिए। इसके लाभ एवं दोषो की भी चर्चा कीजिए।

5. क्रांतिक न्यूनतम प्रयास के सिद्धांत का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। इसकी सीमाओं को भी उजागर कीजिए।

6. नियोजन के अर्थ की संसाधन आबंटन के साधन के रूप के स्पष्ट कीजिए। विकास प्रक्रिया में योजना बनाना क्यों आवश्यक हैं?

7. उज़ावा द्वि–क्षेत्रीय संवृद्धि मॉडल की फेल्डमैन मॉडल से तुलना कीजिए।

एम.ई.सी.–105 : भारतीय आर्थिक नीति
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)
(जनवरी 2021 या इससे पूर्व सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–105
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-105/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2022-23
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। खंड–क से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना है। खंड–ख के प्रत्येक प्रश्न का मान 12 अंक का है।

खंड – क

1. ''भारत में संवृद्धि प्रक्रिया का क्रम अन्य देशों में विकासशील से विकसित अर्थव्यवस्था के संक्रमण के क्रम से भिन्न प्रकार का रहा है'' इस कथन का परीक्षण करें तथा भारत में सेवा क्षेत्र की त्वरित वृद्धि के कारणों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करें।

2. भारत में आय की असमानताओं को किस प्रकार मापा जाता है? भारत में वृहद् निर्धनता हेतु आय की असमानताओं के निहितार्थों को बताइये। क्या आप ऐसा मानते हैं कि सामाजिक संरक्षण इस संबंध में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है? व्याख्या करें।

खंड – ख

3. विदेशी क्षेत्र पर आर्थिक सुधारों के प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए।

4. भारतीय कृषि में आए संकट की प्रकृति का विवेचन करें। इन संकटों के निवारणार्थ आप कौन-कौन से सुझाव देना चाहेंगे?

5. क्षेत्रीय विषमताओं के निवारण हेतु भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का मूल्यांकन करें।

6. किसी देश की आर्थिक संवृद्धि की प्रक्रिया में भली प्रकार से विकसित मुद्रा बाज़ार की भूमिका एवं महत्त्व का परीक्षण करें।

7. विश्वव्यापी प्रशासन संकेतकों नामक परियोजना को प्रदर्शित करने वाली वेबसाइट http://info.worldbankorg/governance/wgi का अवलोकन करें और भारत के सुशासन संबंधित समग्र संकेतकों का अध्ययन करें। भारत में इन विभिन्न आयामों पर कैसा प्रदर्शन किया है?

एम.ई.सी.–205 : भारतीय आर्थिक नीति
सत्रीय कार्य
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.-205
सत्रीय कार्य कोड : एमईसी-205/एएसएसटी/2022-23
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। खंड–क से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना है। खंड–ख के प्रत्येक प्रश्न का मान 12 अंक का है।

खंड – क

1. ''भारत के पास जनांकिकीय लाभांश से लाभान्वित होने के अवसर विद्यमान हैं पर न तो यह सुगम है और न ही गारंटीकृत है''– व्याख्या करें।

2. आप वित्तीय असंतुलन से क्या समझते हैं? वित्तीय असंतुलन के मापक क्या हैं? FRBMA वित्तीय असंतुलन को ठीक करने के लिए कहाँ तक प्रभावी हुआ है?

खंड – ख

3. कृषकों की आय के दुगुना करने के अभिव्यक्त लक्ष्य को पूरा करने में सम्मिलित चुनौतियों की विवेचना करें। इस संबंध में गैर-कृषि गतिविधियों की भूमिका की संक्षेप में चर्चा करें।

4. 1991 के बाद के आर्थिक सुधारों के तहत औद्योगिक क्षेत्र में लाए गए उदारीकरण के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों के बीच तुलनात्मक अध्ययन करें।

5. भारत में रोजगार की गुणवत्ता में आयी गिरावट के विविध आयामों को बताएं। साथ ही कार्य शक्ति में महिला प्रतिभागिता में आयी गिरावट के नीतिगत निहितार्थों का परीक्षण करें।

6. सामाजिक सुरक्षा तथा सामाजिक संरक्षण के बीच क्या अंतर है? सामाजिक सुरक्षा आज समय की माँग क्यों बन गयी है?

7. ''भारत में जीवन की गुणवत्ता संतुष्टि के स्तर से काफी नीचे है''– टिप्पणी करें।